उप्र देश का ग्रोथ इंजन बनने में सक्षम

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने किया तीन दिवसीय उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 का समापन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ: निवेशकों के तीन दिवसीय महाकुंभ यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 का उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनाने के संकल्प के साथ रविवार शाम समापन हो गया। समिट के समापन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि उप्र सरकार ने दूरदर्शितापूर्ण नीतियां बनाकर उन्हें सफलतापूर्वक लागू किया है। इससे उप्र भारत का ग्रोथ इंजन बनने के लिए सक्षम है और तैयार भी। उप्र समृद्ध होगा तो भारत भी समृद्ध होगा। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट उप्र को उत्तम निवेश प्रदेश बनाने में सहायक सिद्ध होगी।

समिट का समापन करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि समावेशी विकास की सोच के साथ आयोजित यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के सार्थक परिणाम आएंगे। उप्र न केवल आबादी के लिहाज से भारत का सबसे बड़ा प्रदेश है बल्कि देश की अर्थव्यवस्था में योगदान देने की दृष्टि से भी अनेक क्षेत्रों में पहले स्थान पर है। उम्मीद जतायी कि देश के विकास के अमृत काल में उप्र का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। उप्र की धरती को अन्नपूर्णा बताते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि राज्य में कृषि आधारित उद्यमों के लिए बहुत संभावनाएं हैं। खुद को किसान परिवार का सदस्य बताया और खेती व कृषि आधारित उद्योगों के विकास की खातिर किए जा रहे प्रयासों के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी टीम की प्रशंसा की। प्रसन्नता भी जतायी कि अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष में उप्र सरकार श्री अन्न की मांग और आपूर्ति चेन को प्रोत्साहित कर रही है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि देश में सर्वाधिक 95 लाख इकाइयों वाला उप्र का एमएसएमई सेक्टर बड़ी संख्या में रोजगार देकर भारत के विकास में प्रमुख भूमिका निभाएगा। राष्ट्रपति ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन डालर बनाने के लक्ष्य में उप्र ने एक ट्रिलियन डालर का योगदान देने का संकल्प लिया है। इस संकल्प के सिद्ध होने से आत्मनिर्भर भारत अभियान को काफी बल मिलेगा। उप्र की ओडीओपी का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे विभिन्न जिलों में परंपरागत उद्योगों से जुड़े लोगों का आर्थिक सशक्तीकरण होता है। डिफेंस कारिडोर का उल्लेख कर कहा कि इससे भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता को संबल तथा निवेश, उद्यम व रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। उप्र में विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाये रखने के प्रयासों के संदर्भ में उन्होंने प्रदेश में विकसित किये जा रहे ग्रीन एनर्जी कारिडोर और नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के अंतर्गत की जा रही कोशिशों का जिक्र किया। प्रदेश में विकसित हो रही स्टार्ट अप संस्कृति की सराहना करते हुए उम्मीद जतायी कि यह देश के सबसे बड़े और युवा वर्कफोर्स वाले उप्र को स्वरोजगार के क्षेत्र में भी अग्रणी बनाएगी। ग्लोबल ट्रेड शो में महिला शिल्पकारों को दिये गए महत्व की सराहना करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि जिस प्रदेश में महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित किया जाता है, उसका विकास सुनिश्चित है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि समिट से शिक्षा व निवेश को बढ़ावा मिलेगा। शिक्षा व निवेश के संगम से उप्र में परिवर्तनकारी प्रगति होगी। समापन सत्र को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व नंदगोपाल नंदी ने भी संबोधित किया। मंच पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक भी मौजूद थे।

संबंधित खबर » 2

UP GLOBAL INVESTORS SUMMIT

- उत्तर प्रदेश को उत्तम निवेश प्रदेश बनाने में सहायक होगी समिट
- राष्ट्रपति ने कहा, उत्तर प्रदेश समृद्ध होगा तो देश भी तरक्की करेगा

राजनीतिक स्थिरता और प्रशासन की निरंतरता निवेशकों के लिए बहुत सहायक सिद्ध होती है। इस समय उप्र में निर्णय लेने वाली स्थिर सरकार है। राज्य ने निवेश प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए जो प्रयास किए हैं, उनके अच्छे परिणाम मिलेंगे।

द्रौपदी मुर्मु, राष्ट्रपति

लखनऊ में रविवार को उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को स्मृति चिह्न देते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ • जागरण

निवेश और रोजगार की कुछ ऐसी रही स्थिति

19,058 कुल एमओयू

33.50 लाख करोड़ रुपये प्रस्तावित निवेश

93,82,607 संभावित रोजगार

श्रेणीवार स्थिति

श्रेणी	निवेश प्रस्ताव
₹2,000 करोड़ से अधिक	203
₹1,500-2,000 करोड़	46
₹1,000-1,500 करोड़	56
₹500-1,000 करोड़	261
₹100-500 करोड़	1,023
₹0-100 करोड़	17,469

निवेश के महाकुंभ में 33.50 लाख करोड़ के प्रस्ताव : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ: ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के तीन दिवसीय आयोजन ने उत्तर प्रदेश के औद्योगिक व आर्थिक विकास के नए द्वार खोले हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समिट के समापन सत्र में बताया कि निवेश के महाकुंभ में 33.50 लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव आए हैं। उप्र ने ऐसा सोचा भी नहीं था।

खुशी की बात यह है कि सभी औद्योगिक क्षेत्र के लिए निवेश प्रस्ताव मिले हैं। पहले निवेश का मतलब एनसीआर होता था। अब प्रदेश के सभी 75 जिलों में निवेश होने जा रहा है। योगी ने कहा कि प्रदेश की बदली कानून-व्यवस्था का परिणाम है कि आर्थिक रूप से पिछड़े माने जाने वाले पूर्वांचल के लिए नौ लाख 54 हजार 492 करोड़ रुपये तथा बुंदेलखंड के लिए चार लाख 27 हजार 873 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। उत्तर प्रदेश में 93 लाख से अधिक नौकरी व रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रिफार्म, परफार्म व ट्रांसफार्म के मंत्र को यूपी ने अंगीकार किया है। पारदर्शिता के साथ कार्य व तकनीक का भरपूर उपयोग कर उद्योगपतियों को बेहतर अवसर प्रदान किया जा रहा है। विश्व की सबसे प्राचीन नगरी काशी उत्तर प्रदेश में है। श्रीराम की अयोध्या, कान्हा के मथुरा-वृंदावन व बुद्ध की तपोस्थली का भी उप्र में होने का सौभाग्य प्राप्त है। गंगा, यमुना व सरस्वती का संगम यहां है और विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक आयोजन कुंभ प्रयागराज में होता है। अध्यात्म व परंपरागत उद्योग यूपी की पहचान हैं और प्राचीन काल से दुनिया के आकर्षण का केंद्र। हर जिले में परंपरागत उद्योग हैं। यहां उर्वरा भूमि है। जनसंख्या की दृष्टि से भी यूपी सबसे आगे है और श्रम बाजार भी है।

संबंधित खबरें » 6, 7 व सिटी IV